

जासुसों के आरोपों से गिरफ्तार किये गये व्यक्ति

3130. श्री हुकमदेव नारायण यादव : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1985 के बाद गुप्तचरी के अपराध में कितने सरकारी और गैरसरकारी लोगों को पकड़ा गया है; और

(ख) क्या सरकार को पहले से इसकी कोई जानकारी थी और यदि हाँ, तो कब से और इस संबंध में समय पर कार्यवाही नहीं करने के क्या कारण थे ?

गृह मंत्री (श्री एल० बी० चव्हाण : (क) अब तक उपलब्ध सूचना के अनुसार जनवरी, 1985 के बाद गुप्तचरी गति-विधियों के लिए निरूपित किए गए सरकारी कर्मचारियों तथा गैर सरकारी व्यक्तियों के संबंध में स्थिति इस प्रकार है :-

क्रम सं०	राज्य/संघ शासित क्षेत्र का नाम	सरकारी कर्मचारियों की संख्या	गैर सरकारी व्यक्तियों की संख्या
1	दिल्ली प्रशासन	2	2
2	जम्मू व काश्मीर	—	29
3	पंजाब	4	33
4	राजस्थान	—	1

झारख प्रदेस, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी बंगाल राज्य सरकारों तथा जलद्वीप संघ शासित क्षेत्र की सूचना अभी उपलब्ध नहीं है। शेष राज्य सरकारों तथा संघ शासित क्षेत्रों ने "शून्य" सूचना भजी है।

(ख) जब भी जांच पड़ताल से शसक, ये गुप्त बात अधिनियम के उल्लंघन का पता चलता है तो गिरफ्तारियों सहित उचित कार्रवाई की जाती है।

सरकारी-कर्मचारियों की सेवावधि का बढ़ाया जाना

3131. श्री हुकमदेव नारायण यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1985 से अब तक विभिन्न विभागों के ऐसे कर्मचारियों की संख्या कितनी है जिनकी, उनके सेवाकाल के समाप्त होने के बाद सेवावधि बढ़ाई गयी है; और

(ख) सेवावधि को बढ़ाये जाने के क्या कारण हैं ?

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) और (ख) जनवरी, 1985 तथा उस के पश्चात् की अवधि के दौरान केन्द्रीय स्टाफिंग योजना के अन्तर्गत आने वाले पदों पर कार्यरत विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 33 अधिकारियों की सेवावधि प्रशासनिक कारणों तथा लोकहित में बढ़ा दी गई थी। इन अधिकारियों में से अब तक 19 अधिकारियों को उन की बड़ी हुई सेवावधि के समाप्त होने पर उन के संवर्गों में प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

Demand for inquiry into allegations against Bihar Chief Minister

3132. SHRI HUKMDEO NARAYAN YADAV: Will the PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) whether it is a fact that in their letter dated the 22nd October, 1985 some Members of Parliament have demanded an inquiry into the allegations made against the Bihar Chief Minister by the Members of 'Legislative Assembly, Bihar; and